



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

16 नवंबर, 2023 / 16 November, 2023

सिडबी ने एमएसएमई की सहायता के लिए टीडीबी के साथ हाथ मिलाया

SIDBI joins hands with TDB to support MSMEs

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास हेतु कार्यरत शीर्षतम वित्तीय संस्था है। सिडबी ने ऐसे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) के साथ एक एग्रीमेंट (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और इसके व्यावसायिक अनुप्रयोग का प्रयास कर रहे हैं या व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए आयातित प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the country's Principal Financial Institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), has entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with Technology Development Board (TDB) with an aim to ease access of credit to MSMEs which are attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic applications.

एग्रीमेंट का निष्पादन सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक श्री राहुल प्रियदर्शी और टीडीबी के निदेशक श्री राजेश जैन द्वारा, श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव, टीडीबी की उपस्थिति में किया गया।

The MoU was executed by Shri Rahul Priyadarshi, Chief General Manager, SIDBI and Shri Rajesh Jain, Director, TDB, in the presence of Shri Rajesh Kumar Pathak, Secretary, TDB.

यह एग्रीमेंट टीडीबी और सिडबी के नियमों और शर्तों के अनुसार पात्र एमएसएमई को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए टीडीबी और सिडबी द्वारा की गई एक संयुक्त पहल है। टीडीबी के साथ आरंभ की गई इस व्यवस्था के विषय में बोलते हुए सिडबी के मुख्य महाप्रबंधक श्री राहुल प्रियदर्शी ने कहा, "सिडबी की प्राथमिकता एमएसएमई पारितंत्र को मजबूत करने और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' की विचारधारा को साकार करने और भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने पर है। भारत के एमएसएमई के वित्तपोषण के साझा-दृष्टिकोण के साथ, सिडबी और टीडीबी की इस संयुक्त व्यवस्था के अंतर्गत संबंधित क्षेत्रों में दक्षता प्राप्त/विशेषज्ञता प्राप्त एमएसएमई इकाइयों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

This MoU is an arrangement for a joint initiative by TDB and SIDBI, to extend financial assistance to eligible MSMEs as per the terms & conditions of TDB & SIDBI. As regards the arrangement with TDB, Shri Rahul Priyadarshi, Chief General Manager, SIDBI said, "SIDBI's emphasis is on strengthening the MSME eco-system and realizing GoI's ideology of "Make In India" and making India "Self-reliant". This arrangement by SIDBI and TDB will support MSMEs with respective core-competencies / expertise, with the common vision of financing MSMEs in India."

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के बारे में:

सिडबी की स्थापना भारत की संसद के एक अधिनियम के अंतर्गत 2 अप्रैल 1990 को की गई थी। यह एमएसएमई क्षेत्र के संवर्धन, वित्तपोषण और विकास के लिए देश का शीर्षतम वित्तीय संस्थान है। सिडबी बैंकों को पुनर्वित्त, क्रेडिट गारंटी कार्यक्रम, एमएफआई क्षेत्र का विकास, उद्यम पूंजी/एआईएफ निधियों में योगदान, एमएसएमई रेटिंग, डिजिटल उधार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने आदि सहित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र के लिए वित्तीय सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बैंक ऊर्जा कुशल परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक, एडीबी, जीआईजेड, एफसीडीओ, जेआईसीए, एएफडी, केएफडब्ल्यू आदि जैसे बहुपक्षीय संस्थानों की सहायता से वर्ष 2005-06 से ही एमएसएमई में ऊर्जा दक्षता (ईई) की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसके अलावा, सिडबी ने अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया है। चाहे वह पारंपरिक, घरेलू छोटे उद्यमी, निचले स्तर के उद्यमी हों या उच्च अंत ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को प्रभावित किया है।

अधिक जानने के लिए, देखें: <https://www.sidbi.in>

About Small Industries Development Bank of India (SIDBI):

SIDBI, set up on 2nd April 1990 under an Act of Indian Parliament, is the Principal Financial Institution for Promotion, Financing and Development of the MSME sector. SIDBI has been playing a significant role in developing the financial services for MSME sector through various interventions including Refinance to Banks, Credit Guarantee programs, Development of the MFI sector, Contribution to Venture capital/AIF funds, MSME ratings, promoting digital lending ecosystem, etc. The Bank has proactively been working towards Energy Efficiency (EE) in MSMEs since 2005-06 using support of multilateral institutions like World Bank, ADB, GiZ, FCDO, JICA, AFD, KfW etc. for energy efficient projects. Furthermore, SIDBI has been touching the lives of citizens across various strata of society through its integrated, innovative, and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly impacted the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental measures.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के बारे में:-

टीडीबी की स्थापना प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए की गई है और इस उद्देश्य को सफल बनाने के लिए, यह स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यिक अनुप्रयोग के लिए और/या व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए औद्योगिक कंपनियों और अन्य एजेंसियों को इक्विटी में निवेश या ऋण प्रदान करके वाणिज्यिक सहायता प्रदान करता है। टीडीबी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यिक अनुप्रयोग के लिए परियोजना का वित्तपोषण करके और / या व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए औद्योगिक कंपनियों और अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

अधिक जानने के लिए, देखें: <http://www.tdb.gov.in>

About Technology Development Board :-

TDB has been set up to promote technology development and in furtherance of said objective, it provides commercial assistance through investment in the equity or grant of loans to industrial concerns and other agencies, for development and commercial application of indigenous technology and/ or for adapting imported technology for wider domestic applications. TDB provides financial assistance to industrial concerns and other agencies by financing the project for development and commercial application of indigenous technology and/ or for adapting imported technology for wider domestic applications.

To know more, check out: <http://www.tdb.gov.in>

